संयुक्त सचिव(प्रशासन) का सीरी आगमन

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद(सीएसआइआर), नई दिल्ली के संयुक्त सचिव (प्रशासन) डॉ के जयकुमार परिषद महानिदेशक प्रो समीर के ब्रह्मचारी के ट्रांस्फार्मिंग सीएसआइआर (Transforming CSIR) मिशन पर दिनांक 8.5.2010 को केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान(सीरी), पिलानी, राजस्थान आए। संस्थान में डॉ वी के दुबे, वैज्ञानिक (जनसंपर्क) तथा श्री वी के श्रीवास्तव, प्रशासन नियंत्रक ने उनका स्वागत किया। उन्होंने संस्थान के प्रशासन, वित्त एवं लेखा, भंडार एवं क्रय, सिविल, अभियांत्रिकी सेवाएँ आदि के सहकर्मियों के अतिरिक्त विभिन्न वैज्ञानिक प्रभागों के प्रमुखों से भी भेंट की।

प्रस्तुतीकरण देते हुए डॉ के जय कुमार, संयुक्त सचिव(प्रशासन)

डॉ के जयकुमार ने ट्रांस्फार्मिंग सीएसआइआर (Transforming CSIR) विषय पर अपने पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से इस मिशन के महत्व व उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस मिशन के अंतर्गत सीएसआइआर को पेपर-लेस कार्यालय बनाया जाना है जिसके लिए सभी प्रशासनिक अनुभागों व उनके कार्यों को कम्प्यूटर पर ऑन लाइन किया जाना है। उन्होंने यह भी बताया कि महानिदेशक महोदय ने सभी प्रयोगशालाओं/संस्थानों से इस कार्य के लिए जनवरी 2011 तक की समय सीमा निर्धारित की है। चर्चा के दौरान उन्होंने इस मिशन के संभावित लाभ भी बताए और यह जानकारी दी कि परिषद के इस मिशन को पूरा करने के लिए छह निजी कंपनियों की मदद ली जा रही है। इस मिशन के लाभों की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि इससे परिषद में अन्तरराष्ट्रीय कार्य संस्कृति अपनाने में मदद मिलेगी और काम काज में तेजी आने के साथ पारदर्शिता भी आएगी।

प्रस्तुतीकरण के दौरान सभागार में निदेशक महोदय एवं अन्य सहकर्मी

प्रस्तुतीकरण के बाद सहकर्मियों ने संयुक्त सचिव महोदय से मिशन के बारे में अपनी शंकाएँ बताई और प्रश्न पूछ कर अपनी जिज्ञासाएँ शांत कीं। अपने प्रस्तुतीकरण के उपरांत उन्होंने संस्थान के सभी सहकर्मियों से परिषद के इस मिशन में यथासंभव सहयोग दे कर इसे निश्चित समयावधि में लागू करने का अनुरोध किया।

इसके उपरांत उन्होंने संस्थान के संग्रहालय, प्रमुख प्रयोगशालाओं व सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने संस्थान की उपलब्धियों की सराहना की तथा आशा व्यक्त की कि डॉ चंद्रशेखर जैसे सुयोग्य व्यक्तित्व के नेतृत्व में यह संस्थान निरंतर प्रगति करेगा व विकास की नई ऊँचाइयों को छुएगा। उन्होंने अपने प्रथम सीरी आगमन को सफल व यादगार बताया तथा यहाँ पुनः आने की इच्छा व्यक्त की।